राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

सचिन ने बैट निर्माता कंपनी स्पार्टन पर किया मुकदमा >> 13

वर्ष 3 अंक 5

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 15 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

लोकतंत्र के प्रहरी

आपातकाल के 44 साल

सुना रहे संघर्ष की कहानी

नई दिल्ली : 25 जून, 1975 की अर्द्धरात्रि भारत में आपातकाल लागू कर दिया गया। 21 मार्च 1977 तक 21 माह का यह कालखंड भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। नागरिक अधिकारों को समाप्त कर दिया गया था। जिन्होंने इसका विरोध किया, जेल गए, यातनाएं सहीं... उनके संघर्ष की कहानी, उनकी जुबानी। • पेज 13

सरोकार

ई-कचरे के निस्तारण की कारगर युक्ति पर जोर

जमशेदपुर : केंद्र सरकार की पहल पर राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर (झारखंड) ने ई-कचरे निस्तारण की पर्यावरण हितैषी तकनीक विकसित की है। विज्ञानियों के इस सफल प्रयोग को हाथों हाथ लिया जा रहा है। अनेक उद्यमियों ने इसमें रुचि दिखाई है। (पेज-13)

एससीओ में पाकिस्तान को लगा दोहरा झटका

कूटनीतिक सफलता ▶ पहले प्रधानमंत्री मोदी ने घेरा, फिर संयुक्त घोषणापत्र में शामिल हुआ सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा

पीएम ने कहा, आतंकवाद को प्रोत्साहन, समर्थन और वित्त पोषित करने वालों को जिम्मेदार ठहराना जरूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शुक्रवार को आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को दोहरा झटका लगा। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाक का नाम लिए बिना उस पर जमकर निशाना साधा। करीब दो घंटे बाद सभी आठ सदस्य देशों की तरफ से जारी बिश्केक घोषणापत्र में सीमा पार से आतंकवाद को दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों के तौर पर रखा।

एससीओ की बैठक में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ एक ही मंच पर बैठे मोदी ने कहा, आतंकवाद को प्रोत्साहन, समर्थन व वित्तीय मदद प्रदान करने वाले राष्ट्रों को जिम्मेदार ठहराना जरूरी है। 'आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए हर मानवतावादी को संकीर्ण दायरे से बाहर निकलना होगा।' उन्होंने आतंकवाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का भी आह्वान किया। उन्होंने अफगानिस्तान मुद्दे को भी जोर-शोर से उठाया।

सम्मेलन के बाद सदस्य देशों की तरफ से जारी घोषणापत्र में हर तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई और कहा गया कि किसी भी तर्क से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इसमें भारत की एक पुरानी मांग का समर्थन करते हुए संयुक्त राष्ट्र की अगुआई में आतंकवाद के खिलाफ सहयोग स्थापित करने पर एक समग्र समझौते को स्वीकार करने के आह्वान के साथ यह भी कहा गया कि इसमें हर देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता का आदर होना चाहिए। घोषणापत्र में आतंकवाद और इसके पीछे की सोच का खात्मा करने के लिए भी सहमति बनाने की बात कही गई।

अगला सम्मेलन रूस में : अगला एससीओ सम्मेलन रूस में होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बधाई दी। साथ ही मोदी ने कनेक्टिविटी के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरीडोर, चाबहार बंदरगाह, अश्गाबत समझौता जैसी पहल कनेक्टिविटी पर भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हैं।

इमरान ने अलापा कश्मीर राग : सम्मेलन में पाक प्रधानमंत्री इमरान खान कश्मीर राग अलापने से नहीं चूके। दक्षिण एशिया में शांति बहाली का आह्वान करते हुए इमरान ने कहा, 'इस क्षेत्र में तनाव को सहयोग में बदलने की जरूरत है। इसके बगैर यहां शांति और समृद्धि नहीं आ सकती। यहां सियासी मतभेद दूर करने, लंबित मुद्दों को सुलझाना भी शांति के लिए जरूरी है।' इसके बाद उन्होंने हर तरह के आतंकवाद की निंदा की, लेकिन यह भी कहा, 'वह गैरकानूनी तरीके से जब्त किए गए क्षेत्र में लोगों के खिलाफ सरकार समर्थित आतंकवाद की भी निंदा करते हैं।' (पेज-5 भी देखें)

सहयोग के लिए रखी 'हेल्थ' की अवधारणा

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदस्य देशों के बीच सहयोग के लिए 'हेल्थ' (एचईएएलटीएच) की अवधारणा पेश की। इसमें 'एच' से आशय स्वास्थ्य देखभाल में सहयोग, 'ई' से आशय आर्थिक सहयोग, 'ए' से आशय वैकल्पिक ऊर्जा, 'एल' से आशय साहित्य और संस्कृति, 'टी' से आशय आतंकवाद मुक्त समाज और 'एच' से आशय मानवीय सहयोग से है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी कई अवधारणाएं और परिभाषाएं गढ़ चुके हैं।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। रायटर

बिश्केक में हो ही गई मोदी-इमरान की मुलाकात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और पाकिस्तान के नेताओं की एक साथ मौजूदगी हमेशा से खास होती है और इस बार भी यह खास रही। एससीओ बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच अंततः एक संक्षिप्त मुलाकात हो ही गई। यह मुलाकात सिर्फ सामान्य हालचाल पूछने तक ही सीमित रही। वैसे दो दिनों तक चली इस बैठक में दोनों नेता सात बार एक-दूसरे के सामने आए, लेकिन इससे पहले न तो कोई बातचीत हुई और न ही सार्वजनिक तौर पर सामान्य शिष्टाचार निभाने की कोई औपचारिकता हुई।

गुरुवार को मोदी और खान दो बार एक ही समारोह में एससीओ के अन्य सदस्य देशों के प्रमुखों के साथ शामिल हुए थे, जबकि शुक्रवार सुबह से लेकर देर शाम तक पांच समारोहों में वे एक साथ आसपास रहे। तीन बार फोटो सेशन हुआ और इसमें भी दोनों नेताओं के बीच फासला बना रहा। पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह खबर बाहर आई कि दोनों नेताओं के बीच सामान्य मुलाकात हुई है। इसकी पुष्टि बाद में भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की। पाक विदेश मंत्रालय के सूत्रों का यह भी कहना है कि भारत में हाल ही में संपन्न चुनावों पर दोनों नेताओं के बीच बात हुई, लेकिन भारतीय पक्ष इस पर चुप्पी साधे हुए है।

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▶ पृष्ठ 2

हाई कोर्ट ने रद किया दाखिलों पर डीयू का फैसला

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नियमों को बदलने के फैसले को हाई कोर्ट ने रद कर दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को तीन याचिकाओं पर सुनवाई के बाद अपने फैसले में कहा, वर्तमान शैक्षणिक सत्र में डीयू के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में पिछले साल के पात्रता मानदंडों के आधार पर ही प्रवेश होगा।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

सुरक्षाबलों ने पुलवामा में मार गिराए लश्कर के दो आतंकी

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुए आत्मघाती हमले के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर में अपने आतंकरोधी अभियान में तेजी लाते हुए शुक्रवार को बरोबंडुना (पुलवामा) में भीषण मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों को मार गिराया। ज्ञात हो कल ही आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाया था।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

भारत से रक्षा सहयोग की सीमा तय करेगा एस-400 सौदा

वाशिंगटन : अमेरिका ने भारत और रूस के बीच होने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम सौदे को लेकर फिर आपत्ति जाहिर की है। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक, वह भारत की सुरक्षा जरूरतें पूरा करने को तैयार है, पर एस-400 सौदे को वह भारत के साथ अपने रक्षा सहयोग में सीमा के तौर पर देख रहा है।

क्रिकेट महाकुंभ

ऑस्ट्रेलिया vs श्रीलंका	दोपहर 3:00 बजे से स्थान : लंदन
द. अफ्रीका vs अफगानिस्तान	शाम 6:00 बजे से स्थान : कार्डिफ

स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

हड़ताल ने ली पांच मरीजों की जान, ममता के रवैये पर सैकड़ों डॉक्टरों के इस्तीफे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- बंगाल में मारपीट के बाद कई राज्यों के डॉक्टर हड़ताल पर
- अनेक राज्यों में ओपीडी सेवाएं ठप पड़ीं, विरोध में डॉक्टरों ने लगाया हेलमेट
- इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का 17 जून को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान

कोलकाता के एनआरएस अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट के बाद बंगाल से शुरू हुई डॉक्टरों की हड़ताल में, शुक्रवार को देश भर के डॉक्टरों के शामिल हो जाने से मरीजों की जान पर बन आई है। इलाज नहीं मिलने से बंगाल में ही पांच मरीजों की मौत हो गई है। बंगाल, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व राजस्थान समेत कई राज्यों में ओपीडी सुविधाएं चरमरा गई हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रवैये के विरोध में सैकड़ों डॉक्टरों ने इस्तीफे दे दिए हैं। अकेले बंगाल में ही 700 डॉक्टरों ने नौकरी छोड़ दी है।

कुछ राज्यों में काली पट्टी बांध तो कुछ में विरोध स्वरूप हेलमेट पहनकर डॉक्टर मरीजों का इलाज करते नजर आए। कुछ डॉक्टरों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से मुलाकात की है। इसके बाद उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। बंगाल के राज्यपाल ने भी ममता बनर्जी को बातचीत के लिए बुलाया है। इस बीच इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने 17 जून से राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। वहीं, कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक याचिका पर अंतरिम आदेश देने से इन्कार करते हुए ममता सरकार से कार्रवाई की जानकारी मांगी है। डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी अर्जी दायर की गई है। उधर, टोक्यो स्थित वर्ल्ड मेडिकल एसोसिएशन ने भी डॉक्टरों के आंदोलन का समर्थन किया है।

ज्ञात हो, कोलकाता के एनआरएस अस्पताल में बीते सोमवार एक मरीज की मौत के बाद उनके तीमारदारों ने डॉक्टरों से मारपीट की थी। इसमें कुछ डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद डॉक्टर हड़ताल पर चले गए थे। हड़ताल की आग शुक्रवार को देशभर में फैल गई। कई राज्यों में डॉक्टर शुक्रवार को एक दिन के सांकेतिक हड़ताल पर रहे। इससे स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने डॉक्टरों ने रखीं छह शर्तें पेज>>7

पश्चिम बंगाल की घटना के बाद एलएनजेपी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा हड़ताल से परेशान मरीज व परिजन। संजय

कार्तिकेय चंद्रेश बने जेईई एडवांस्ड के टॉपर

जागरण संवाददाता, रुड़की : इंजीनियरिंग की प्रतिष्ठित परीक्षा जेईई एडवांस्ड-2019 में महाराष्ट्र के बल्लारपुर निवासी गुप्ता कार्तिकेय चंद्रेश ने ऑल इंडिया टॉप किया है, जबकि उत्तर प्रदेश के बांदा निवासी हिमांशु गौरव सिंह ने दूसरा और दिल्ली के अर्चित बुबना ने तीसरा स्थान हासिल किया है। लड़कियों के वर्ग में हैदराबाद के माधापुर की शबनम सहाय पहली रैंक पर रहीं। उनकी ओवरऑल ऑल इंडिया रैंक दसवीं है।

कार्तिकेय फेसबुक से

जेईई एडवांस परीक्षा का जिम्मा इस बार आइआइटी रुड़की के पास था। परीक्षा संचालन समिति के चेयरमैन डॉ. एमएल शर्मा ने बताया कि गुप्ता कार्तिकेय चंद्रेश ने 372 में से 346 अंक और छात्राओं में अव्वल रही शबनम ने 308 अंक प्राप्त किए हैं। उन्होने बताया कि इस वर्ष जेईई एडवांस्ड एक और दो की परीक्षा में कुल 161319 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें 38705 अभ्यर्थी सफल रहे। इनमें 33349 छात्र और 5356 छात्राएं हैं। (पेज-6)

झारखंड में नक्सलियों ने अगवा कर पांच पुलिसकर्मियों का मार डाला

जागरण न्यूज नेटवर्क, रांची

- सरायकेला-खरसावां जिले के साप्ताहिक हाट में घटना को दिया अंजाम
- हथियार लूटकर सभी बाइक से भाग गए प. बंगाल की ओर, उनके चेहरे ढके हुए थे

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले स्थित तिरुलडीह थाना क्षेत्र के कुकुडू साप्ताहिक हाट में शुक्रवार शाम तकरीबन 6.30 बजे नक्सलियों ने राज्य पुलिस के दो सब-इंसपेक्टर और तीन सिपाहियों को बंदूक और चाकू के बल पर अगवा कर लिया। फिर सबकी गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद नक्सली पुलिसकर्मियों की बंदूक लूट कर पश्चिम बंगाल की ओर भाग गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो बाइक पर सवार होकर बाजार पहुंचे आधा दर्जन नक्सलियों ने पूरी घटना को अंजाम दिया। सभी ने मुंह पर गमछा लपेट रखा था।

थाना में ताला लगा भागे पुलिसकर्मी : दहशत का आलम यह था कि तिरूलडीह थाने के मेन गेट पर ताला लगाकर पुलिसकर्मी भाग गए। कोई घटनास्थल तक जाने की हिम्मत नहीं कर सका। आसपास की सभी दुकानदार भी भाग निकले। ध्यान रहे तिरूलडीह के थाना प्रभारी महावीर उरांव सार्वजनिक स्थल पर शराब पीकर डांस करने के आरोप में तीन-चार दिन पहले ही निलंबित किए जा चुके हैं।

> सूबे में अंतिम सांसें गिन रहे नक्सलवादियों ने बौखलाहट में घटना को अंजाम दिया है। शहादत बेकार नहीं जाएगी, जारी रहेगी कठोर कार्रवाई।
> **-रघुवर दास, सीएम**

हाल के दिनों में बढ़ीं नक्सली वारदातें : सरायकेला जिले में हाल के दिनों में नक्सलियों की सक्रियता बढ़ गई है। कुचाई में 28 मई को नक्सलियों ने आइइडी धमाका किया था जिसमें कोबरा -209 बटालियन और झारखंड पुलिस के 15 जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। इसके पूर्व चुनाव के दौरान खूंटी लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत खरसावां में मतदान बूथ पर नक्सलियों ने बम विस्फोट किया था।

गुमला में हाट से भाजपा कार्यकर्ता की अपहरण कर हत्या : गुमला के बिशुनपुर थाना क्षेत्र के कटिया गांव में गुरुवार शाम नक्सलियों ने साप्ताहिक हाट से भाजपा कार्यकर्ता ब्रजेश साहू (38) का अगवा किया और तकरीबन आधा किलोमीटर दूर ले जाकर गोली मारकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने मौके पर पर्चा भी फेंका, जिसमें हत्या की जिम्मेदारी लेने के साथ ही ब्रजेश साहू को पुलिस का एसपीओ बताया गया है। इतना ही नहीं, नक्सलियों ने पास ही स्थित बीड़ी के पत्तों से लदा ट्रक फूंक डाला। इन दोनों घटनाओं से ग्रामीणों में खौफ पसर गया और वे अपने घरों में कैद हो गए। पुलिस के पहुंचने के बाद भी वह बोलने को तैयार नहीं हैं।

घातक होगा दिल्ली मेट्रो में सियासी दखल

मुफ्त सवारी की घोषणा से मेट्रोमैन ई. श्रीधरन आहत, पीएम मोदी को लिखा पत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो में महिलाओं की मुफ्त सवारी के प्रस्ताव से आहत मेट्रोमैन ई. श्रीधरन ने इसे राजनीतिक हस्तक्षेप बताते हुए बेहद घातक करार दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उन्होंने दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव पर सहमत न होने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो जापानी एजेंसी के ऋण की वापसी में बड़ी मुश्किलें आएंगी। मेट्रो में सियासी दखल रोकने का फैसला इसके पहले चरण के समय ही तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समक्ष किया गया था।

पत्र में श्रीधरन ने कहा है कि अगर दिल्ली सरकार सचमुच में महिलाओं को मुफ्त सवारी कराने की इच्छुक है तो उनके बैंक खाते में एक निश्चित धनराशि डीबीटी के मार्फत जमा करा दे। इससे वह मनमाफिक सवारी कर सकेंगी। गौरतलब है कि दिल्ली में मेट्रो की दैनिक सवारी करने वाली महिलाओं की बड़ी संख्या बाहर से आती है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार के प्रस्ताव के लागू होने से स्थितियां खराब होंगी और छात्र, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग वर्ग भी ऐसी मांग करेंगे। इसके बाद यह बीमारी दूसरे राज्यों की मेट्रो रेल में भी फैल सकती है।

दिल्ली मेट्रो में केंद्र व राज्य सरकार बराबर की हिस्सेदार है। ऐसे में फैसला अकेले राज्य सरकार कैसे ले सकती है? अगर ऐसा कुछ हुआ तो मेट्रो दिवालिया हो सकती है। श्रीधरन ने मोदी से जोर देकर कहा है कि वह इस तरह के प्रस्ताव को मानने के लिए तैयार न हों। यह पत्र 10 जून 2019 को लिखा गया है।

तत्कालीन पीएम वाजपेयी को भी लेना पड़ा था टोकन : श्रीधरन ने पत्र में मेट्रो के पहले चरण के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी टोकन खरीदकर शाहदरा से कश्मीरी गेट तक की यात्रा करनी पड़ी थी। इससे एक अच्छा संदेश गया, जो आज भी कायम है। स्टाफ और यहां तक कि प्रबंध निदेशक भी मेट्रो रेल में टिकट खरीदकर ही यात्रा करते हैं।

सिसोदिया ने कहा, मेट्रोमैन के पत्र से स्तब्ध हूं

राज्य ब्यूरो : ई श्रीधरन के मोदी को पत्र लिखने के जवाब में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मेट्रोमैन को पत्र लिखा है। सिसोदिया ने कहा है कि मुफ्त यात्रा पर आपका पक्ष हमारी योजना के प्रति आपकी गलतफहमी को दर्शाता है। आपके विरोध से स्तब्ध हूं। हम डीएमआरसी से दस लाख कूपन खरीदकर महिलाओं को उपलब्ध कराएंगे। इससे महिलाओं को तो सुविधा होगी ही मेट्रो का राजस्व व राइडरशिप भी बढ़ेगी।

राष्ट्रव्यापी 'ऑपरेशन थंडर' में रेल टिकट दलालों पर गिरी गाज

नई दिल्ली : रेलवे सुरक्षा बल ने अवैध तरीकों से ट्रेन टिकट कंफर्म कराने वाले दलालों के राष्ट्रव्यापी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में गुरुवार को देश के डेढ़ सौ शहरों में छापे मार कर पौने तीन सौ दलालों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से पचास हजार यात्रियों से संबंधित 32 लाख रुपये कीमत के बाइस हजार टिकट जब्त किए गए। (पेज-7)

भारत ने 29 अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाया

नई दिल्ली : भारत ने 29 अमेरिकी उत्पादों पर रविवार से आयात शुल्क में वृद्धि का फैसला किया है। अमेरिका द्वारा गत वर्ष स्टील और एल्यूमिनियम पर आयात शुल्क बढ़ाने के फैसले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया के तहत इन अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क वृद्धि का फैसला किया था। बाद में इसकी समय-सीमा कई बार बढ़ाई गई। वित्त मंत्रालय से जल्द अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। (पेज-10)

विश्व कप

1200 पाउंड तक में ब्लैक में बिकी हैं भारत-पाकिस्तान के मैच की टिकट, आइसीसी भी चाहती है दोनों प्रतिस्पर्धियों के बीच हो धमाकेदार मुकाबला

भारत-पाक की भिड़ंत पर सांसों का रुकना लाजिमी है...

विश्व कप में दैनिक जागरण

अभिषेक त्रिपाठी • मैनचेस्टर

नॉटिंघम में बारिश के कारण भारत-न्यूजीलैंड मैच रद होने के बाद जब मैं शुक्रवार की सुबह ट्रेन से मैनचेस्टर की तरफ बढ़ा तो पूरे रास्ते बारिश की बूंदें डराती रहीं कि रविवार को इनका कहर विश्व कप के अब तक के सबसे बड़े मुकाबले पर ना पड़ जाए। मैनचेस्टर पिकेडली रेलवे स्टेशन से ट्राम लेकर ओल्ड ट्रैफर्ड उतरा तो सामने ही विश्व कप की बड़ी सी बारिश से भीगी होर्डिंग दिखी, जिसमें लिखा था 'द वर्ल्ड्स ग्रेटेस्ट क्रिकेट सेलिब्रेशन।' उसे देखकर मन में यही ख्याल आया कि अगर क्रिकेट के सबसे बड़े मेले में भारत-पाक का मुकाबला बारिश से धुल गया तो ब्लैक में 1200 पाउंड (करीब एक लाख रुपये) तक की टिकट लेने वालों का क्या होगा, आइसीसी दुनिया को क्या मुंह दिखाएगी?

धूप से खिले चेहरे : दोपहर होते-होते ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट स्टेडियम में धूप खिल आई और इसी के साथ आइसीसी के सीईओ डेव रिचर्डसन का चेहरा भी खिल गया। उन्होंने कहा, चार दिन बाद धूप खिली है, जो मददगार होगी। इसके बाद मैदानकर्मी मैदान को मैच के लिए तैयार करने में जुट गए। सेंट्रल पिच से कवर हटाया गया तो पता चला कि इस पर रत्ती भर भी घास नहीं है। कुल मिलाकर आइसीसी चाहती है कि दुनिया के दो सबसे बड़े प्रतिस्पर्धियों के बीच धमाकेदार मुकाबला हो। हालांकि मौसम विभाग की मानें तो रविवार को बारिश की संभावना 50 फीसद तक है। हालांकि शाम होते ही मैनचेस्टर में दोबारा से बारिश होना शुरू हो गई।

भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक, युजवेंद्रा सिंह चहल और विजय शंकर ने मशहूर इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड का दौरा किया। इंस्टाग्राम

एशिया कप के बाद अब होगी मुलाकात : 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से द्विपक्षीय सीरीज खेलने से इन्कार कर दिया। उसके बाद से ये दोनों टीमें सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) और एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) के टूर्नामेंट में ही भिड़ती हैं। इन दोनों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में दुबई में एशिया कप में हुआ था। तब भारत ने दोनों मुकाबलों में पाकिस्तान को मात दी थी। हालांकि इससे पहले 2017 में इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को पराजित किया था।

दर्शकों को है पूरी उम्मीद : कभी कानपुर व कोलकाता की तुलना जिस मैनचेस्टर से की जाती थी, वहीं पर यह मुकाबला होना है। मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर युनाइटेड जैसे दो बड़े फुटबॉल क्लबों का घर अब क्रिकेट युद्ध का अखाड़ा बनने वाला है। करीब 26 लाख की आबादी वाले इस शहर में 15 फीसद भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी व अफगानी हैं। यहां पर टैक्सी चलाने वाले रमेश कुमार ने कहा, मैच की एक-एक टिकट बिक चुकी हैं। कुछ वेबसाइट में टिकटें रीसेल हो रही हैं। लोग 200 पाउंड तक में इन्हें खरीद रहे हैं। वहीं, एक पाकिस्तानी प्रशंसक रफीक आजमी ने कहा, इसमें शक नहीं कि हमारी टीम कमजोर है, लेकिन हमने विराट की टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हराया है। जब ये दोनों टीमें मैदान में उतरेंगी तो सांसों का रुकना लाजिमी हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ में बिजली कटौती की शिकायत पर राजद्रोह का केस

नईदुनिया, रायपुर

- दो लोगों को हवालात में डाला, सरकार ने पुलिस से कहा-वापस लें मुकदमा
- सियासत गरमाने पर सीएम बोले- सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हक

सोशल मीडिया पर बिजली कटौती से संबंधित पोस्ट करने पर छत्तीसगढ़ में चौबीस घंटे में दो लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, अब दोनों मामलों में गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत मिल गई है, लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई से राजनीति गरमा गई है। भाजपा ने इस मामले में कांग्रेस सरकार खासकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। इसके बाद बघेल ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए डीजीपी को दर्ज मामले वापस लेने का निर्देश दिया।

राजनांदगांव जिले के मुसरा गांव निवासी मांगेलाल अग्रवाल ने बिजली कटौती को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया था। उसे आधार बनाकर पुलिस ने राजद्रोह का केस दर्ज कर अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। इसी प्रकार महासमुंद जिले के दिलीप शर्मा ने वेब मोर्चा पोर्टल पर 50 गांवों में 48 घंटे बिजली बंद होने की खबर चला दी। बिजली कंपनी के डीई एसके साहू की शिकायत पर पुलिस गुरुवार रात 11 बजे शर्मा के घर पहुंची और उन्हें थाने ले आई। पुलिस ने भ्रामक विषयवस्तु को जनमानस में प्रसारित कर जनाक्रोश फैलाने के प्रयास का केस दर्ज कर हवालात में डाल दिया। इस मामले में विपक्ष की बयानबाजी के बाद दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री ने दोनों मामलों पर संज्ञान में लिया। उन्होंने डीजीपी से बात की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई तत्काल रोकी जाए। जहां मामले दर्ज हो चुके हैं, उन्हें वापस लिया जाए। बघेल ने कहा, कांग्रेस और उसकी सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रबल पक्षधर हैं। जिस तरह की कार्रवाई अभी हुई है, उस तरह का काम प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार करती थी। मुख्यमंत्री की फटकार के बाद बिजली कंपनी ने दोनों मामले वापस ले लिए।